भावात्मक एकता का अर्थ

भावात्मक एकता के स्तर

भावात्मक एकता के विकास में शिक्षा के कार्य

राष्ट्रीय एकता भावात्मक एकता के सम्बन्ध

भावात्मक एकता का अर्थ

भावात्मक एकता का लक्ष्य राष्ट्रीय एकता है इसलिए राष्ट्रीय एकता और भावात्मक एकता को लगभग एक ही अर्थ में प्रस्तुत कर दिया जाता है। राष्ट्रीय एकता बहुत कुछ राष्ट्रीयता के विकास से सम्बन्धित है। व्यक्तियों के भावात्मक संसार के आधार पर ही राष्ट्र का निर्माण होता है। यदि हम भाषा, जाति, सम्प्रदाय के आधार पर ही प्रेम, सहानुभूति, क्रोध, संवेगों का विकास करेंगे तो हमारा राष्ट्र भी उसी प्रकार जाति, भाषा आदि के आधार पर छिन्न-भिन्न होगा। व्यक्ति और समाज में पारस्परिक विरोध नहीं है। यदि व्यक्ति के संवेगों का उचित मार्गन्तरीकरण और शोध होगा तो निसन्देह वह राष्ट्र से प्रेम करेगा और राष्ट्र तथा समाज का विकास होगा, भावात्मक एकता का नकारात्मक अर्थ विघटनकारी तत्वों से घृणा करना और राष्ट्र को फूट से बचाना है। इसका सकारात्मक अर्थ राष्ट्र को एकता के सूत्र में बाँधने का प्रयत्न करना है। सम्पूर्ण राष्ट्र के लोगों में देश प्रेम पैदा करना तथा राष्ट्र प्रेम की भावना उत्पन्न करना है।

भावात्मक एकता के स्तर-

भावात्मक एकता के चार स्तर होते हैं। पहले स्तर पर लोग एक दूसरे के साथ रहना प्रारम्भ करते हैं। इस स्तर पर लोगों में अकिले की अपेक्षा समूह समुदाय या राष्ट्र में रहने की आदत होती है। दूसरे स्तर पर लोग एक-दूसरे के पास रहते हैं। एक दूसरे को अच्छी तरह से जानना शुरू करते हैं। तीसरा स्तर रागात्मक सम्बन्ध का है। हम इस स्तर पर दूसरों की प्रथाओं में रुचि लेने लगते हैं। इस स्तर पर दूसरे की परम्पराओं से घृणा समाप्त हो जाती है लोग शान्तिपूर्वक रहते हैं। चौथे स्तर पर सभी लोग जो एक दूसरे के पास रहते हैं एक दूसरे की परम्पराओं, रीतिरयों एवं मान्यताओं को अपना समझने लगते हैं और उन सभी से प्रभावित होते हैं और उसमें रुचि लेते हैं।

भावात्मक एकता के विकास में शिक्षा के कार्य-

राष्ट्रीयं विकास एवं राष्ट्रीय एकता के लिए भावात्मक एकता परम आवश्यक है। विकास देश के विभिन्न धर्मों, रीति-रिवाजों, परम्पराओं का देश है। देश के नागरिक अपने-अपने धर्म, रीति, रिवाज, भाषा आदि को दूसरे से महान एवं उत्तम समझते हैं, और उन पर गर्व करते हैं यद्यपि उनका गर्व करना स्वाभाविक है, परन्तु इस संकीर्ण दृष्टिकोण के कारण परस्पर मनमुटाव एवं लड़ाई, झगड़े हो जाते हैं। शिक्षा ऐसी स्थिति में हमारी रक्षा करती है और एकता को बनाये रखती है। शिक्षा संकीर्ण विचारों के दोषों से हमें मुक्त करती है, और हमारा ध्यान उस राष्ट्रीय सम्पत्ति की ओर ले जाती है जिसमें सबकी आस्था है जो हमें एकता के सूत्र में बाँधती है। इसके अतिरिक्त शिक्षा हमारे निम्न कोटि के संवेगों का प्रशिक्षण करती है जिनकी राष्ट्रीय एकता एवं भावात्मक एकता की दृष्टि से महत्ता होती है। स्पष्ट है कि भावात्मक एकता को शिक्षा द्वारा ही विकसित किया जा सकता है। शिक्षा का पाठ्यक्रम बालक के संवेगों विचारों एवं दृष्टिकोण को उचित दिशा में विकसित करके भावात्मक एकता के विकास में सहायक होती है।

राष्ट्रीय एकता भावात्मक एकता के सम्बन्ध-

राष्ट्रीय एकता का सामान्य अर्थ है देश के विभिन्न धर्मों, जातियों तथा भाषाओं के व्यक्तियों में देश के कल्याण के लिए देश-प्रेम एवं देश-भक्ति की भावनाओं में एकता। देश में निवास करने वाले देशवासियों की आन्तरिक तथा भावात्मक एकता को राष्ट्रीय एकता कहते हैं। राष्ट्रीय एकता ऐसा भाव अथवा शक्ति है जो देशवासियों को अपने व्यक्तिगत हितों को त्याग कर राष्ट्र कल्याण के लिए प्रेरित करती है। राष्ट्र के समस्त निवासियों में "हम' की भावना का विकास ही राष्ट्रीय एकता है। जब किसी राष्ट्र के व्यक्ति किसी भी आधार पर भावात्मक एकता का अनुभव करें तथा राष्ट्रीय हित के सम्मुख निजी हितों को त्यागने में बिल्कुल संकोच न करें तो इस भाव को हम राष्ट्रीय एकता की संज्ञा देते हैं। राष्ट्र की प्रगति

और राष्ट्रीय अस्मिता के लिए भावात्मक एकता अत्यन्त महत्वपूर्ण है। भारतीय प्रजातंत्र की रक्षा के लिए देश के नागरिकों में सभी तरह की विभिन्नताओं से ऊपर उठकर भावात्मक एकता का हाना अत्यन्त आवश्यक हो गया है। भावात्मक एकता से तात्पर्य है सभी भेदों को भुलाकर विचारों और भावनाओं की एकता। राष्ट्र की विभिन्न जातियों, धर्मों तथा समूहों के लोगों के आपसी भेद-भावों को मिटाकर सभी को भावात्मक रूप से समन्वित करते हुए एकता के सूत्र में बाँधना ही भावात्मक एकता है। भावात्मक रूपं से राष्ट्र से जुड़े नागरिकों से यह अपेक्षा की जाती है कि अपने हिता की अपेक्षा राष्ट्र की आवश्यकताओं, आदरशों एवं आकांक्षाओं को सर्वोपरि समझेंगे।

इस प्रकार बिना भावात्मक एकता के स्थापित हुए राष्ट्रीय एकता देश के नागरिकों में वेद्यमान नहीं हो सकती। राष्ट्रीय एकता तथा भावात्मक एकता एक-दूसरे के पूरक हैं।

शिक्षाशस्त्र

महत्वपूर्ण लिंक

- ई-लर्निंग का अर्थ | ई-लर्निंग की प्रकृति एवं विशेषतायें | ई-लर्निंग के विविध रूपों एवं शैलियों का उल्लेख
- ओवरहेड प्रोजेक्टर पर संक्षिप्त लेख | ओवरहेड प्रोजेक्टर का उपयोग | ओवरहेड प्रोजेक्टर की सीमायें
- आगमन विधि का अर्थ | निगमन पद्धति का अर्थ | आगमन विधि तथा निगमन पद्धति के गुण एवं दोष
- शिक्षा का अर्थ | शिक्षा की प्रमुख परिभाषाएँ | शिक्षा की विशेषताएँ | Meaning of education in Hindi | Key definitions of education in Hindi | Characteristics of education in Hindi
- शिक्षा की अवधारणा | भारतीय शिक्षा की अवधारणा | Concept of education in Hindi | Concept of Indian education in Hindi
- शिक्षा के प्रकार | औपचारिक, अनौपचारिक और निरौपचारिक शिक्षा | औपचारिक और अनौपचारिक शिक्षा में अन्तर
- शिक्षा के अंग अथवा घटक | Parts or components of education in Hindi
- शिक्षा के विभिन्न प्रकार | शिक्षा के प्रकार या रूप | Different types of education in Hindi | Types or forms of education in Hindi
- निरौपचारिक शिक्षा का अर्थ तथा परिभाषा | निरौपचारिक शिक्षा की विशेषताएँ | निरौपचारिक शिक्षा के उद्देश्य
- शिक्षा के प्रमुख कार्य | शिक्षा के राष्ट्रीय जीवन में क्या कार्य | Major functions of education in human life in Hindi | What work in the national life of education in Hindi
- वर्धा बुनियादी शिक्षा | वर्धा बुनियादी शिक्षा के सिद्धांत | बुनियादी शिक्षा के उद्देश्य | वर्धा शिक्षा योजना के गुण - दोष
- राज्य के शैक्षिक कार्यों का वर्णन | शैक्षिक अभिकरण के रूप में राज्य के कार्यों का वर्णन कीजिये
- शैक्षिक अभिकरण के रूप में विद्यालय के कार्य | शैक्षिक अभिकरण के रूप में विद्यालय के कार्यों का वर्णन कीजिये

- विद्यालय को शिक्षा का प्रभावशाली अभिकरण बनाने के उपाय | विद्यालय को शिक्षा का प्रभावशाली अभिकरण बनाने के उपायों का वर्णन कीजिये
- शैक्षिक अभिकरण के रूप में परिवार के कार्य | Family functions as an educational agency in Hindi
- नवाचार का अर्थ | नवाचारों को लाने में शिक्षा की भूमिका | नवाचार की विशेषतायें
- नवाचार के मार्ग में अवरोध तत्व | शिक्षा में 'नवीन प्रवृत्तियों (नवाचार) के मार्ग में अवरोध तत्वों' का वर्णन
- दर्शन का अर्थ | दर्शन की परिभाषाएं | दर्शन का अध्ययन क्षेत्र
- गांधी जी का शिक्षा दर्शन - आदर्शवाद, प्रयोजनवाद और प्रकृतिवाद का समन्वय है।
- शिक्षा में महात्मा गाँधी का योगदान या शैक्षिक विचार | गाँधीजी के शिक्षा दर्शन से आप क्या समझते हैं?
- विवेकानन्द का शिक्षा दर्शन शिक्षाशास्त्री के रूप में | विवकानन्द के अनुसार शिक्षा के पाठ्यक्रम और शिक्षण विधियां
- मानव निर्माण शिक्षा में स्वामी विवेकानन्द का योगदान | मानव निर्माण शिक्षा के प्रमुख उद्देश्य
- आदर्शवाद में शिक्षा के उद्देश्य | आदर्शवाद में शिक्षा के सम्प्रत्यय
- जॉन डीवी के प्रयोजनवादी शिक्षा | जॉन डीवी की प्रयोजनवादी शिक्षा का अर्थ
- रूसो की निषेधात्मक शिक्षा | निषेधात्मक शिक्षा क्या है रूसो के शब्दों में बताइये
- आदर्शवाद की परिभाषा | आदर्शवाद के मूल सिद्धान्त
- सुकरात का शिक्षा दर्शन | सुकरात की शिक्षण पद्धति
- प्रकृतिवाद में रूसो एवं टैगोर का योगदान | प्रकृतिवाद में रूसो का योगदान | प्रकृतिवाद में टैगोर का योगदान
- प्रकृतिवाद क्या है | प्रकृतिवादी शिक्षा की प्रमुख विशेषताएँ | प्रकृतिवादी पाठ्यक्रम के सामान्य तत्व
- प्रकृतिवाद में रूसो का योगदांन | रूसो की प्रकृतिवादी विचारधारा
- प्रयोजनवाद का अर्थ | प्रयोजनवाद दर्शन की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन
- प्रयोजनवाद के शिक्षा के उद्देश्य | प्रयोजनवाद तथा शिक्षण-विधियाँ | प्रयोजनवाद के अनुसार शिक्षा-पाठ्यक्रम
- प्रयोजनवाद और प्रकृतिवाद मे तुलना | प्रकृतिवादी दर्शन की विशेषताएँ | प्रयोजनवाद की विशेषताएं
- आधुनिक शिक्षा पर प्रयोजनवाद के प्रभाव का उल्लेख
- आधुनिक शिक्षा पर प्रकृतिवाद का प्रभाव | आधुनिक शिक्षा पर प्रकृतिवाद क्या प्रभाव पड़ा
- प्रयोजनवाद में पाठ्यक्रम के सिद्धान्त | प्रयोजनवादी पाठ्यक्रम पर संक्षिप्त लेख | प्रयोजनवाद में पाठ्यक्रम की विषयवस्तु का वर्णन
- ओशो का शैक्षिक योगदान | ओशो के शैक्षिक योगदान पर संक्षिप्त लेख
- फ्रेरा का शिक्षा दर्शन | फ्रेरा का शैक्षिक आदर्श | Frara's education philosophy in hindi | Frara's educational ideal in hindi
- इवान इर्लिच का जीवन परिचय | इर्लिच का शैक्षिक योगदान | Ivan Irlich's life introduction in hindi | Irlich's educational contribution in hindi
- जे0 कृष्णमूर्ति के अनुसार शिक्षा के उद्देश्य | जे0 कृष्णमूर्ति के अनुसार शिक्षा के कार्य
- जे. कृष्णामूर्ति के दार्शनिक विचार | जे. कृष्णामूर्ति के दार्शनिक विचारों का वर्णन

sarkariguider.com

sarkariguider.com

sarkariguider.com

sarkariguider.com